BIHAR BOARD QUESTION PAPER

INTERMEDIATE EXAMINATION - 2014

इंटरमीडिएट परीक्षा - 2014

(ANNUAL / वार्षिक)

PHILOSOPHY

समय : 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

SECTION - A

I. प्रश्न संख्या 1 से 25 तक में एक ही उत्तर सही है। प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तर को दिए गये चार विकल्पों में से चुनें :

1. भारतीय दर्शन की मूल दृष्टि है

(a) विश्लेषणात्मक

(b) बौद्धिक

(c) आध्यात्मिक

(d) इनमें से कोई नहीं

2. ऋत संबंधित है

(a) नैतिक नियम से

(b) धार्मिक नियम से

(c) भौतिक नियम से

(d) इनमें से सभी

BiharboardQuestionpaper.com

3. कौन आस्तिक दर्शन है ?

(a) जैन

(b) बौद्ध

(c) चार्वाक

(d) इनमें से कोई नहीं

4. भारतीय दर्शन का आस्तिक व नास्तिक विभाजन का आधार है

(a) ईश्वर में विश्वास

(b) वेदों में विश्वास

(c) (a) और (b) दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

5. चार्वाक दर्शन है।

(a) भौतिकवादी

(b) आध्यात्मवादी

(c) (a) और (b) दोनों

(d) इनमें से कोई

6. भारतीय दर्शन में यथार्थ ज्ञान को कहा जाता है।

(a) प्रमा

(b) अप्रमा

(c) संभाव्य

(d) अध्यास

BiharboardQuestionpaper.com

7. 'दर्शन' शब्द की उत्पत्ति हुई है।

(a) 'लृ' धातु से

(b) 'पश्' धातु से

(c) 'कृ' धातु से

(d) इनमें से कोई नहीं

8. पुरुषार्थ है

(a) एक

(b) दो

(c) तीन

(d) चार

9. 'कर्म' शब्द की उत्पत्ति हुई है।

(a) 'लृ' धातु से

(b) 'कुर्म' धातु से

(c) 'कृ' धातु से

(d) इनमें से कोई नहीं

10. भारतीय दर्शन का सामान्य लक्षण हैं

(a) अविद्या

(b) मोक्ष (मुक्ति)

(c) पुनर्जन्म

(d) इनमें से सभी

BiharboardQuestionpaper.com

11. निम्न में से कौन-सा एक दृष्टिकोण वैशेषिक के अनुसार सही नहीं है ?

(a) परमाणु नित्य हैं

(b) परमाणु से बने सामान नित्य हैं

(c) परमाणु उपमान के द्वारा नहीं जाने जाते हैं

(d) इनमें से सभी

12. निष्काम कर्म का मूल सिद्धांत है।

(a) शारीरिक सुख

(b) कर्त्तव्य के लिए कर्तव्य

(c) (a) और (b) दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

13. निम्न में से कौन-सी एक वेदान्त की शाखा नहीं है ?

(a) द्वैत

(b) विशिष्टाद्वैत

(c) अद्वैत

(d) इनमें से कोई नहीं

14. निम्न में से कौन एक बुद्धिवादी है ?

(a) लॉक

(b) बर्कले

(c) देकार्त

(d) काण्ट

BiharboardQuestionpaper.com

15. निम्न में से कौन एक बुद्धिवादी एवं अनुभववादी नहीं है ?

(a) काण्ट

(b) स्पिनोजा

(c) ह्यूम

(d) इनमें से कोई नहीं

16. न्याय दर्शन के प्रवर्तक हैं

(a) कपिल मुनि

(c) बादरायण

(b) गौतम मुनि

(d) इनमें से कोई नहीं

17. ईश्वर के अस्तित्व की सिद्धि के लिए देकार्त ने निम्न में से किस एक सिद्धांत का प्रयोग किया है ?

(a) एक पूर्ण सत्ता समग्र विश्व का कारण होनी चाहिए

(b) एक पूर्ण सत्ता एक पूर्ण सत्ता के प्रत्यय का कारण होनी चाहिए

(c) एक पूर्ण सत्ता आश्रित सत्ताओं का कारण होनी चाहिए

(d) इनमें से कोई नहीं

18. निम्न में से कौन एक समानान्तरवाद का समर्थक है ?

(a) लाइबनिस

(b) लॉक

(c) देकार्त

(d) स्पिनोजा

BiharboardQuestionpaper.com

19. प्रत्ययवाद संबंधित है

(a) जड़ से

(b) चेतना से

(c) (a) और (b) दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

20. निम्नलिखित में कौन-सा एक परार्थानुमान का घटक नहीं है?

(a) परामर्श

(a) देकार्त से

(c) हेतु

(d) उपनय

21. पूर्व स्थापित सामंजस्य सिद्धांत संबंधित है

(a) देकार्त

(b) काण्ट से

(c) लाइबन्तिस से

(d) इनमें से कोई नहीं

22. बौद्ध दर्शन के अनुसार आर्य सत्य है

(a) दो

(b) तीन

(c) चार

(d) इनमें से कोई नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

23. जैन दर्शन में 'विद्रोह मुक्ति' को कहा जाता है

(a) बोधिसत्व

(b) कैवल्य

(c) निर्वाण

(d) परिनिर्वाण

24. प्रकृति के गुण है

(a) सत्व, रज, तम

(b) सत्व, रज, अर्थ

(c) सत्व, रज, धर्म

(d) इनमें से सभी

25. सांख्य दर्शन में आत्मा को कहा जाता है

(a) ब्रह्म

(b) पुरुष

(c) ईश्वर

(d) इनमें से सभी

II. निम्नलिखित प्रश्न संख्या 26 से 30 में दो कथन दिए गये हैं। कथन (A) के बाद कारण (R)। दोनों कथनों को ध्यान से पढ़ें तथा नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

(a) A एवं R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है

(b) A एवं R दोनों सही है परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A सही है, परन्तु R असत्य है

(d) A असत्य है, परन्तु R सही है

BiharboardQuestionpaper.com

26. कथन (A) : स्पिनोजा ने अन्तर्क्रियावाद को स्वीकारा है।

कारण (R) : अष्टांगिक मार्ग बौद्ध दर्शन से संबंधित है।

27. कथन (A) : ज्ञान प्रागनुभविक निर्णयों की समष्टि है।

कारण (R) : यह कथन काण्ट का है।

28. कथन (A) : शंकर के अनुसार ब्रह्म यथार्थ है।

कारण (R) : जगत् अयथार्थ है।

29. कथन (A) : वस्तुएँ ज्ञाता से स्वतंत्र होती हैं।

कारण (R) : प्रत्ययवाद जड़ तत्व को स्वीकार करता है।

30. कथन (A) : मनुष्य सभी वस्तुओं का मापदण्ड है।

कारण (R) : प्रत्येक मनुष्य सुख चाहता है।

III. प्रश्न संख्या 31 से 34 तक में दो स्तम्भ दिए गए हैं। स्तम्भ-I में चार प्रश्न दिये गये हैं। आपको स्तम्भ-II के विकल्पों में से सही मेल को चुनना है :

स्तम्भ-I	स्तम्भ-II
31. बौद्ध	(a) अनुभववाद
32 बर्कले	(b) भौतिकवाद
33 जैन	(c) सम्यक् संकल्प
34. चार्वाक	(d) सम्यक् दर्शन

IV. प्रश्न संख्या 35 से 37 तक के लिए दिये गये अवतरण को ध्यान से पढ़ें तथा नीचे दिए गये विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

BiharboardQuestionpaper.com

अवतरण : वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक महर्षि कणाद है। यह आस्तिक सम्प्रदाय की शाखा है| वैशेषिक परमाणुवाद को स्वीकार करता है। परमाणु नित्य है, परन्तु परमाणुओं से बने मिश्रण नित्य नहीं हैं। इस दार्शनिक विचार में सात पदार्थ एवं दो प्रमाण हैं। इसका अन्य नाम औलूक्य दर्शन है |

35. वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक है

(a) कपिल

(b) कणाद्

(c) प्रभाकर

(d) इनमें से कोई नहीं

36. वैशेषिक दर्शन का दूसरा नाम है

(a) उलूक

(b) औलूक्य

(c) ऐलूक

(d) इनमें से सभी

37. वैशेषिक के अनुसार प्रमाण हैं

(a) दो

(b) तोन

(c) चार

(d) छः

अथवा

निम्नांकित प्रश्नों 35-37 में एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। ऐसे प्रश्नों में सही विकल्पों को चुनें :

BiharboardQuestionpaper.com

35. अद्वैत वेदान्त में ब्रह्म है

(a) सत्

(b) चित्

(c) आनन्द

(d) इनमें से कोई नहीं

36. न्याय के अनुसार प्रमाण हैं

(a) शब्द

(b) उपमान

(c) अर्थापत्ति

(d) इनमें से कोई नहीं

37. पर्यावरण का संबंध है

(a) मनुष्य से

(b) पशु से

(c) वनस्पति से

(d) इनमें से कोई नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

SECTION - B

प्रश्न संख्या 1 से 15 तक लघु उत्तरीय कोटि के हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है।

1. भारतीय दर्शन सम्प्रदायों के नाम लिखें।

2. आस्तिक दर्शन के नाम उनके प्रवर्तक के साथ लिखें।

3. ऋत से आप क्या समझते हैं ?

4. अर्थ पुरुषार्थ की व्याख्या करें।

5. निष्काम कर्म का वर्णन करें।

6. कर्म के प्रकारों को लिखें।

7. प्रथम आर्य सत्य का वर्णन करें।

8. उपमान को स्पष्ट करें।

9. स्वार्थानुमान क्या है ?

10. न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष का वर्णन करें।

11. जैन के पुद्गल का वर्णन करें।

12. बुद्धिवाद की व्याख्या करें।

13. समानान्तरवाद क्या है ?

14. अनुभववाद का वर्णन करें।

15. व्यावसायिक नीतिशास्त्र क्या है ?

प्रश्न संख्या 16 से 20 तक दीर्घ उत्तरीय कोटि के हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

16. स्वाद की व्याख्या करें।

अथवा

काण्ट के समीक्षावाद की व्याख्या करें।

17. अद्वैत वेदान्त के अनुसार माया का वर्णन करें।

अथवा

चिकित्सा नीतिशास्त्र की समीक्षात्मक व्याख्या करें।

18. अष्टांगिक योग का वर्णन करें।

BiharboardQuestionpaper.com

अथवा

ईश्वर के अस्तित्व की सिद्धि के लिए विश्वमूलक प्रमाण की व्याख्या करें।

19. वैशेषिक के अनुसार पदार्थ का वर्णन करें।

अथवा

अरस्तू के अनुसार कारणता सिद्धांत की व्याख्या करें।

20. वस्तुवाद की विवेचना करें।

अथवा

बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रतीत्य समुत्पाद का वर्णन करें।

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...

BiharboardQuestionpaper.com

अभी विजिट करें ..